नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2014-15/05 आषाढ़ सुदी १० वि. स. २०७२ तदनुसार 27 जून, 2015
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

पिछले परिपत्र के पश्चात् माननीय राज्यपाल महोदय, उच्च शिक्षा मंत्रीजी सहित विभाग के अधिकारियों से भेंट के विवरण, प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के विवरण, आगामी कार्यक्रमों की सूचना सहित संगठन की अन्य गतिविधियों के साथ यह परिपत्र प्रस्तुत है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **माननीय राज्यपाल जी से भेंट :-** 11 मई 2015 को संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने पदनाम परिवर्तन में वित्त विभाग द्वारा डाली जा रही रुकावटों के निस्तारण हेतु माननीय राज्यपाल श्री कल्याणसिंहजी से भेंट की। संगठन द्वारा यू.जी.सी. रेग्यूलेशन, सूचना के अधिकार में प्राप्त राज्य सरकार द्वारा यू.जी.सी. को भेजी गई जानकारियों, एम.एच.आर.डी. के द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों तथा 20 से अधिक राज्य सरकारों द्वारा जारी कॉलेज शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन संबंधी आदेशों को संलग्न करते हुए राज्यपाल महोदय के समक्ष 400 से अधिक पृष्ठों का विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। संगठन ने शिक्षकों का पक्ष रखते हुए राज्यपाल महोदय को बताया कि देशभर में यू.जी.सी. रेग्यूलेशन द्वारा उच्च शिक्षा में व्याख्याता पदनाम समाप्त कर दिया गया है। पदनाम परिवर्तन से राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार पड़ने वाला नहीं है, किन्तु अभी तक कॉलेज शिक्षकों का पदनाम व्याख्याता से बदलकर असिस्टेंट प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर नहीं किए जाने से उनका अकादमिक नुकसान हो रहा है। फलस्वरूप भविष्य में उच्च शिक्षा क्षेत्र में केन्द्र से प्राप्त होने वाली सहायता में होने वाली कमी के कारण राजस्थान देश के अन्य प्रदेशों से तुलनात्मक रूप से काफी पिछड़ जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्रीजी द्वारा घोषणा करने तथा उनके निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में शून्य वित्तीय प्रभार का सकारात्मक प्रस्ताव बना कर भेजने के बाद भी वित्त विभाग द्वारा इसे रोका जाना शिक्षाहित, शिक्षकहित एवं राज्यहित में उचित नहीं है।

   राज्यपाल महोदय ने संगठन के पक्ष को विस्तार से सुना एवं समझा तथा राजभवन के अधिकारियों को

इस संबंध में विस्तृत पत्र व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि इस संबंध में वे स्वयं रुचि लेकर पदनाम परिवर्तन में आ रही बाधाओं को दूर करवाने का प्रयास करेंगे। इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय को कुलपति समन्वय समिति में उनके द्वारा संगठन की मांग पर परीक्षा पारिश्रमिक के संबंध में एकरूपता लाने के निर्देश दिए जाने पर धन्यवाद दिया तथा शीघ्र इसे कार्यान्वित करवाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय से विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करवाने की मांग भी की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह, महामंत्री, संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट तथा कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. कमल मिश्रा शामिल थे।

2. **उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट** – संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर 11 मई 2015 को उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट की। संगठन की ओर से मंत्रीजी को व्याख्याताओं एवं मंत्रालयिक संवर्ग के कर्मचारियों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करवाने तथा वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान स्वीकृति पर तीन प्रतिशत वेतनवृद्धि के आदेश जारी करवाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा शेष लंबित रही समस्याओं की समाधान प्रक्रिया में गति लाने की मांग की गई। मंत्रीजी ने बताया कि पदनाम परिवर्तन में वित्त विभाग की आपत्तियों के मध्यनजर वे स्वयं इस विषय को लेकर मुख्यमंत्रीजी से मिलेंगे तथा आपत्तियों को दूर करवाने का प्रयास करेंगे। पीएच.डी. के दोहरे लाभ प्रकरण एवं पूर्व सेवा के लाभ हेतु विभाग द्वारा सकारात्मक नोट बनाकर उचित कार्यवाही हेतु आगे भिजवा दिया गया है। निदेशक (अकादमी) पद पर शिक्षक की नियुक्ति हेतु डीपीसी नियम बनाने के निर्देश अधिकारियों को दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अन्य समस्याओं पर भी आयुक्तालय एवं सचिवालय स्तर पर कार्य हो रहा है तथा निकट भविष्य में कतिपय समस्याओं के सकारात्मक समाधान सामने आयेंगें। संगठन के प्रतिनिधि मंडल में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह, महामंत्री, संगठनमंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट शामिल थे।

3. **उच्च शिक्षा सचिव, आयुक्त कॉलेज शिक्षा एवं संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय से भेंट** – 11 मई 2015 को संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने प्रमुख शासन सचिव (उच्च शिक्षा) श्री पवन कुमार गोयल, आयुक्त (कॉलेज शिक्षा) श्री श्रवण साहनी एवं संयुक्त सचिव (सी.एम.ओ.) श्री वी. एस. बांकावत से उच्च शिक्षा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु भेंट की। संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने प्रमुख शासन सचिव (उच्च शिक्षा) श्री पवन कुमार गोयल का नवीन पदभार संभालने पर स्वागत किया एवं कामना की कि उनके कार्यकाल में राज्य की उच्च शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं को हल करने की सकारात्मक प्रगति होगी। प्रतिनिधि मंडल ने श्री गोयल को विभिन्न लंबित समस्याओं की तथ्यों सहित जानकारी दी तथा समाधान हेतु उनसे सहयोग की अपेक्षा की। श्री गोयल ने ध्यानपूर्वक संगठन के पक्ष को सुना एवं शीघ्र ही समस्याओं का स्वयं अध्ययन कर सकारात्मक दिशा में कार्य करने का मंतव्य प्रकट किया।

आयुक्त (कॉलेज शिक्षा) श्री श्रवण साहनी से प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर आयुक्तालय स्तर पर लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। मंत्रालयिक संवर्ग की नवीन नियुक्तियों के प्रस्ताव भिजवाने, आर.वी.आर.ई.एस. व्याख्याताओं को सीएएस का लाभ देने, संतोषजनक एसीआर के आधार पर चयनित

वेतनमान देने, नियमित डीपीसी करवाने, वित्त विभाग में लंबित समस्याओं हेतु शिक्षकों का पक्ष न्यायसंगत रूप से रखने, बड़े महाविद्यालयों को विभाजित कर खोले गए नवीन महाविद्यालयों में स्टॉफ/भवनादि सुविधाओं की शीघ्र व्यवस्था करने, निदेशक (अकादमी) हेतु डीपीसी के नियम बनाने, संविदा शिक्षकों को यू.जी.सी. द्वारा अनुशंसित न्यूनतम वेतन देने, सी.ए.एस. नियमों को प्रकाशित करने सहित अन्य समस्याओं के संबंध में तथ्य रखते हुए हल करने की मांग की गई। आयुक्त महोदय ने कहा कि वे स्वयं व्यक्तिगत रुचि लेकर इन समस्याओं पर कार्य कर रहे हैं तथा उन्हें विश्वास है कि निकट भविष्य में उचित परिणाम आयेंगे।

संयुक्त सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री बांकावत से हुई भेंट में विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रतिनिधि मंडल द्वारा पदनाम परिवर्तन, पूर्व सेवा के लाभ, पीएच.डी. की वेतनवृद्धियों को पुनः प्रारम्भ करने, परिवीक्षा काल में कार्यरत शिक्षकों का मानदेय संशोधित करने सहित अन्य लंबित समस्याओं को हल करने में सहयोग का आग्रह किया गया। श्री बांकावत ने सभी समस्याओं को विस्तार से समझा एवं मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इनके समाधान में सकारात्मक कार्यवाही हेतु आश्वस्त किया।

4. **एम.फिल./ पीएच.डी. के दोहरे लाभ प्रकरण में कार्यवाही** - वित्त (ग्रुप-2) विभाग, जयपुर के परिपत्र दिनांक 2-2-1990 एवं वित्त विभाग (नियम अनुभाग) जयपुर के परिपत्र दिनांक 10-12-1999 तथा 19-2-2001 के आधार पर व्याख्याताओं को सेवा में प्रवेश से पूर्व/सेवा में रहते हुए एम.फिल./ पीएच.डी. करने के प्रोत्साहन स्वरूप दी गई अग्रिम वेतन वृद्धियों एवं चयनित वेतनमान में वेतन स्थिरीकरण करते समय भी दी गई अग्रिम वेतनवृद्धियों का लाभ जिन शिक्षकों को दिया गया था उन्हें दोहरा लाभ मानते हुए ऑडिटर जनरल की टिप्पणी के आधार पर सरकार ने पुनः वसूली करने के निर्देश प्रसारित किये गए थे। संगठन द्वारा इसका तीव्र विरोध करने के साथ ही सम्पूर्ण दस्तावेज एवं ठोस तर्कों के आधार पर विस्तृत रूप से शिक्षकों का पक्ष शासन के समक्ष रखा गया। संगठन के ज्ञापन के आधार पर वित्त विभाग द्वारा इसके कारण सरकार पर पड़ने वाले वित्तीय भार का आकलन करवाने के निर्देश प्रसारित किए गए, जिसकी अनुपालना में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान ने पत्र क्रमांक एफ 25 (ई) 116 स्था/निकाशि/2010/2/28 दिनांक 2 जून 2015 द्वारा प्राचार्यों से इस संबंध में आने वाले वित्तीय भार की सूचना देने के निर्देश प्रसारित किए है। संगठन को पूरी उम्मीद है कि सरकार वित्तीय भार का आकलन करवाने के बाद इस मामले में पात्र शिक्षकों को उनका वित्तीय अधिकार प्रदान करेगी।

5. **शिक्षकों को पे बैंड-4 देने के संबंध में** - संगठन ने सभी पात्र शिक्षकों को पे बैंड-4 का लाभ राज्य सरकार द्वारा सी.ए.एस. के नवीन नियमों के प्रकाशन होने तक चयनित वेतनमान में तीन वर्ष पूरे होते ही देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान ने पत्र क्रमांक एफ 1(100) पीएस/निकाशि/13/2216 दिनांक 1-6-2015 द्वारा 30-6-2013 तक पात्र व्याख्याताओं को पे बैंड-4 स्वीकृत करने हेतु शैक्षणिक उपब्धियों के दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं।

संगठन ने सरकार के समक्ष शिक्षकों का पक्ष विस्तार से रखते हुए उनके ध्यान में लाया है कि यू.जी.सी. रेग्यूलेशन 2010, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र क्रमांक 1.36/2009-VII दिनांक 26-8-10 तथा राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ 1 ( ) स्था/आकाशि/11/114 दिनांक 21-4-2011 द्वारा 1-1-2006 से 30-6-2010 के मध्य चयनित वेतनमान में पदोन्नत शिक्षकों को जब भी वे चयनित वेतनमान में 3 वर्ष

पूरे करें, पे बैंड-4 का लाभ देने के निर्देश हैं। इसके लिए किसी भी प्रकार की संवीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। इसके अतिरिक्त सी.ए.एस. के नए नियम प्राचार्यों/शिक्षकों की जानकारी में भी नहीं लाए गए। सी.ए.एस. के नवीन नियमों की प्रसारण तिथि से ही इन्हें लागू किया जाना चाहिए न कि भूतलक्षी प्रभाव से। उपर्युक्त समस्त तथ्य विस्तार से सरकार के समक्ष रखते हुए संगठन ने मांग की है कि राज्य सरकार द्वारा सी.ए.एस. हेतु नवीन नियमों के प्रसारण होने से पूर्व तक सभी पात्र शिक्षकों को पे बैंड-4 का लाभ पुराने नियमों से ही दिया जाए।

6. **नवीन महाविद्यालयों में संसाधन उपलब्ध करवाने के संबंध में** - सरकार द्वारा पिछले समय में कई नए राजकीय महाविद्यालय खोले गए हैं। इनमें कुछ बड़े स्थानों पर पुराने महाविद्यालयों के संकायों का पुनर्गठन कर तथा अन्य तहसील/उपखण्ड स्तर पर खोले गए हैं। उच्च शिक्षा के विस्तार या बेहतर प्रबंधन के लिए यह ठीक हो सकता है, किन्तु संसाधनों/शिक्षकों/कर्मचारियों की बिना पूर्व योजना के इस प्रकार महाविद्यालय खोलने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में ह्रास तो होता ही है साथ ही जिन उद्देश्यों के लिए ये महाविद्यालय खोले जाते हैं वह भी पूरे नहीं होते। संगठन ने सरकार से मांग की है कि शीघ्र ही नवीन घोषित/खोले गए महाविद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं भवन, मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला के लिए पर्याप्त बजट जारी किया जाए तथा इनमें आवश्यक संख्या में शिक्षकों/कर्मचारियों की नियुक्तियाँ की जाए।

7. **निजी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण बाबत्** - निजी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की परीक्षा 6 जुलाई से 5 अगस्त 2015 तक राजकीय महाविद्यालयों में करवाने के सरकार के निर्णय का संगठन ने विरोध किया है। इस संबंध में उच्च शिक्षा मंत्रीजी, प्रमुख शासन सचिव (उच्च शिक्षा) एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा को विस्तृत ज्ञापन भेज कर इस आदेश में सुधार करने की मांग की गई है। सरकार के ध्यान में लाया गया है कि परीक्षा के कारण सत्र् के प्रारंभ में कक्षाओं का संचालन बाधित होने तथा अगस्त माह में छात्रसंघ चुनाव की गतिविधियाँ प्रारम्भ होने से न्यूनतम 180 दिन का शिक्षण संभव नहीं हो पायेगा। इसके अतिरिक्त कई महाविद्यालयों में पहले से ही पर्याप्त संख्या में शिक्षक नहीं है, शिक्षण के साथ प्रवेश एवं अन्य कार्यालयीन मामलों का दायित्व उन पर रहता है, अत: महाविद्यालय के सामान्य कामकाज भी बाधित होने की संभावना है। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि उच्च शिक्षा के व्यापक हित में निजी पालिटेक्निक महाविद्यालयों का परीक्षा केन्द्र तकनीकी शिक्षा के अन्य राजकीय संस्थानों में ही रखा जाना चाहिए।

8. **सी.ए.एस. के लिए रिफ्रेशर/ओरिएन्टेशन कोर्स हेतु शिथिलता अवधि बढ़ाने का आग्रह** - संगठन ने मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार तथा अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को पत्र लिख कर सी.ए.एस. के लिए रिफ्रेशर/ओरियेन्टेशन कोर्स की शिथिलता अवधि बढ़ाने का पुन: आग्रह किया है। संगठन द्वारा ध्यान में लाया गया है कि यू.जी.सी. द्वारा 7-12-2012 को जारी आदेश के तहत सी.ए.एस. हेतु रिफ्रेशर/ओरियेन्टेशन कोर्स की शिथिलता अवधि दिनांक 30-12-2013 तक बढ़ाई थी। किन्तु उक्त अवधि तक कई शिक्षक व्यक्तिगत या प्रशासनिक अपरिहार्य कारणों से आवश्यक कोर्स पूर्ण नहीं कर सके इस कारण लम्बी सेवा अवधि पश्चात् भी वे सी.ए.एस. के उचित लाभ से वंचित हैं। अत: व्यापक शिक्षक हित में संगठन द्वारा शिथिलता अवधि को दिसम्बर 2015 तक बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

9. **नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सुझाव** - देश की शिक्षा नीति राष्ट्र, समाज एवं व्यक्ति का सर्वांगीण विकास

करने में सहायक होनी चाहिए, ऐसा अपना चिंतन प्रारंभ से ही रहा है। शिक्षा नीति देशानुकूल एवं युगानुकूल हो तथा शिक्षा नीति बनाने में शिक्षाविदों की प्रमुख भूमिका हो ये सोच अपनी सदैव से रही है। सौभाग्य से भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति निर्माण का मंतव्य प्रकट किया गया है। इसके लिए सभी स्टेकहोल्डर्स द्वारा सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। रुक्टा (राष्ट्रीय) राज्य की उच्च शिक्षा में कार्य करने वाला एकमात्र सक्रिय संगठन है, संगठन का सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि नई शिक्षा नीति के संबंध में अपने सुझाव लिखित में संगठन के ई-मेल या महामंत्री के पते पर भिजवाए। इस हेतु कुछ बड़े केन्द्रों पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की जा सकती है अथवा कुछ शिक्षकों का समूह बना कर परिचर्चा हो सकती है। परिचर्चा या संगोष्ठी के सार संगठन को प्राप्त होने पर संगठन द्वारा इसे व्यवस्थित कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भिजवाया जाएगा।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - संगठन की विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में 17 जून को देराश्री शिक्षक सदन, जयपुर में सम्पन्न हुई। सामूहिक सरस्वती वंदना के पश्चात् महामंत्री ने गत कार्यकारिणी बैठक का कार्यवाही विवरण सदन के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात् महामंत्री द्वारा गत बैठक के बाद संगठन की उपलब्धियों एवं गतिविधियों को विस्तार से उपस्थित कार्यकर्ताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। महामंत्री ने राज्यपाल, उच्च शिक्षा मंत्री तथा अन्य अधिकारियों से हुई वार्ताओं का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि गत बैठक के पश्चात् संगठन के प्रयासों से वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान में वेतन नियतन के समय 3 प्रतिशत की अतिरिक्त वेतनवृद्धि देने तथा वेतन स्थिरीकरण के फलस्वरूप देय एरियर का नकद भुगतान करने, व्याख्याताओं एवं मंत्रालयिक संवर्ग की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने जैसी समस्याओं का समाधान हुआ है। शेष समस्याओं के समाधान में संगठन के प्रयासों से प्रगति हुई है, इसे परिणति तक पहुँचाने के लिए संगठन निरन्तर सजग है। इसके पश्चात् उपस्थित सदस्यों द्वारा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को उठाया तथा संगठन द्वारा इनके समाधान में गहन कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक में अगले सत्र में इकाईयों/विभागों द्वारा सम्पन्न सांगठनिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का वृत्त सदन के समक्ष रखा गया। वर्ष भर में इकाईयों/विभागों द्वारा सम्पन्न इन गतिविधियों पर संतोष प्रकट किया गया तथा कर्त्तव्य बोध, नवसंवत्सर एवं गुरुवंदन कार्यक्रमों को केन्द्र द्वारा नियोजित ढंग से प्रत्येक इकाई तक मनाने का निर्णय लिया गया।

   इसके पश्चात् अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री माननीय महेन्द्रजी कपूर ने 9 से 11 अक्टूबर तक नागपुर में संपन्न होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी दी तथा अधिवेशन में अपेक्षित मर्यादाओं को बताते हुए उनके पालन का आग्रह किया। मा. महेन्द्रजी ने महासंघ द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर होने वाले शिक्षक सम्मान के लिए अक्षय कोष हेतु धन संग्रह जुलाई माह में सम्पन्न कर विभागशः राशि ऑनलाइन बैंक खाते में जमा कराने का आग्रह कार्यकर्ताओं से किया। भोजन के पश्चात् महामंत्री ने सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 15 जुलाई के पश्चात् रुक्टा (राष्ट्रीय) की वार्षिक सदस्यता नहीं ली जानी है तथा सदस्यता की राशि प्रति सदस्य 100 रु के हिसाब से केन्द्र को भेजी जानी है। कार्यकारिणी के निर्णयानुसार इस वर्ष से इकाई का अंश इकाई में नहीं रखते

हुए इकाई में हुए खर्चों के वाऊचर प्रस्तुत किये जाने पर प्रति सदस्य 20 रु. तक की राशि का पुर्नभरण केन्द्र द्वारा किया जा सकेगा। **सभी से यह भी आग्रह किया कि नागपुर अधिवेशन में संगठन द्वारा फोटो प्रदर्शनी/डाक्यूमेंटरी प्रदर्शन होना है, अतः जिन भी सदस्यों के पास संगठन की गतिविधियों/ कार्यक्रमों/अधिवेशनों के पुराने चित्र/वीडियो/ऑडियो हो, वे कृपया उन्हें डाक से या डिजीटल फार्म में रूपांतरित कर ई-मेल से महामंत्री को भिजवाने का कष्ट करें।**

बैठक के अगले सत्र् में संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने सभी से अपेक्षा की कि संगठन में किसी के पास दोहरा दायित्व न हों। विभाग स्तर पर इकाई सचिवों को शामिल करते हुए टोली का गठन हो, जिनकी नियमित बैठकें हो। उन्होंने आग्रह किया कि संगठन के विस्तार हेतु मन बड़ा रखते हुए सभी को साथ लेकर चलें। उन्होंने कहा कि वेतन भत्ते सुविधाएँ संगठन के प्रयासों से बेहतर हुए हैं, आगे भी संघर्ष जारी रखेंगे किन्तु वास्तविक प्रसन्नता धन में नहीं सेवा में है, अतः समाज में हमसे कमजोर बंधुओं की सहायता जैसे सामाजिक कार्यों को हाथ में लेने से ही आंतरिक संतुष्ठि निर्माण हो सकती है। समारोप सत्र में पाथेय देते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि संगठन का व्याप बढ़ा है हर वर्ग के नए कार्यकर्ता संगठन से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों से समाज को अनेक अपेक्षाएं हैं, हमें अपने दायित्व पर खरा उतरना होगा। हमारे व्यवहार से लोग हमसे जुड़ें, कार्य का मूल प्रेम बने। उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी से हुई भेंट का विवरण देते हुए बताया कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के संबंध में श्रीमती ईरानी ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं तथा संगठन यू.जी.सी. एवं एम.एच.आर.डी. के निरन्तर सम्पर्क में है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने कहा कि हम अपनी ताकत के आधार पर सदस्यता का रिकार्ड बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि मात्र सदस्यता संग्रहण के समय नहीं वरन् सदस्यों के साथ निरन्तर जीवंत सम्पर्क रहना चाहिए। उन्होंने अपने दायित्व को अधिकार न समझने की सलाह देते हुए नाम से अधिक विचार को महत्व देने का आह्वान किया। अंत में गत बैठक के पश्चात् दिवंगत शिक्षक साथियों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

2. **राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में 14 जून 2015 को दिल्ली में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महासंघ के महामंत्री प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल ने गत बैठक का कार्यवाही विवरण तथा महासंघ के कोषाध्यक्ष श्री बजरंग प्रसाद मजेजी ने गत वित्तीय वर्ष का अंकेक्षित आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक में महिला सहभाग वृद्धि वर्ष की समीक्षा की गई तथा शाश्वत जीवन मूल्य जनजागरण अभियान के अन्तर्गत अगले चरण के कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं के आयोजन का निर्णय लिया गया। महामंत्री प्रो. सिंघल ने शिक्षकों की समस्याओं के संबंध में 8 मई 2015 को मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानीजी एवं यू.जी.सी. अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाशजी के साथ महासंघ के प्रतिनिधि मंडल की वार्ता का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वार्ता में उच्च शिक्षा के शिक्षकों का पदनाम देश भर में एक समान करने, पीएच.डी. 2009 के नियमों को

व्यवहारिक बनाने, 2006 के वेतनमानों की विसंगति दूर करने, ए.पी.आई. व्यवस्था को तर्कसंगत बनाने सहित 19 प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर ने नागपुर में 9 से 11 अक्टूबर 2015 को आयोज्य छठे राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि अधिवेशन पूर्णतया आवासीय रहेगा तथा अपेक्षित सदस्य ही इसमें सहभाग कर सकेंगे। समारोप में अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने पाथेय देते हुए कहा कि हम सभी को राष्ट्रीय भाव से कार्य करना है। शिक्षक सम्मान हेतु अक्षय कोष के लिए धन राशि एकत्र करके हम समाज को यह संदेश दे पायेंगे कि शिक्षकों का सम्मान शिक्षकों की धन राशि द्वारा ही किया गया है। अध्यक्षजी को आभार एवं कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में रुक्टा (राष्ट्रीय) की ओर से अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित 4 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

3. **इकाईयों द्वारा सम्पन्न विशेष कार्यक्रम** – सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर की संगठन इकाई द्वारा 15 मई को पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता भारतीय इतिहास संकलन समिति अजयमेरु के अध्यक्ष प्रो. पी. सी. चांदावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई अध्यक्ष एवं प्राचार्य डॉ. दीपक राज मेहरोत्रा ने की। संगोष्ठी में राजस्थान राज्य धरोहर प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. ओंकार सिंह लखावत सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे। 20 मई को सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर की संगठन इकाई के सदस्यों द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाविद्यालय परिसर स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इसके पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। 5 जून को पर्यावरण दिवस पर अजमेर इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में सघन पौधारोपण किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर 20 जून को सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर इकाई द्वारा योग वार्ता का आयोजन किया गया। इस वार्ता में मुख्य वक्ता पतंजलि योग समिति अजमेर के अध्यक्ष डॉ. मोक्षराज ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे। 26 जून को स्वच्छ-भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत सम्राट पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय अजमेर में पूर्व छात्रों के आर्थिक सहयोग से संगठन इकाई के सदस्यों ने महाविद्यालय परिसर में सफाई कर रंग-रोगन किया। संगठन की इस पहल को प्रचार माध्यमों ने प्रमुखता से स्थान दिया।

4. **प्रो. परमेन्द्र दशोरा का कुलपति पदभार ग्रहण करने पर स्वागत** – रुक्टा राष्ट्रीय ने कोटा विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति पद पर प्रो. परमेन्द्र दशोरा की नियुक्ति का स्वागत किया है तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है। रा. जे.डी.बी. कन्या महाविद्यालय में रुक्टा (राष्ट्रीय) की कोटा विभाग समिति के संयोजन में नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर परमेन्द्र दशोरा का स्वागत कार्यक्रम एवं शैक्षिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। डॉ. राजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा सरस्वती वंदना, डॉ. अशोक कुमार गुप्ता द्वारा गीत, विभाग सचिव डॉ. गीताराम शर्मा द्वारा अतिथि परिचय, विभाग अध्यक्ष वी. के. पंचोली एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सीमा गर्ग द्वारा स्वागत उद्‌बोधन से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. दशोरा ने शिक्षकों की गरिमा, शैक्षिक परिसरों की प्रतिष्ठा, शिक्षक और विद्यार्थियों के पारिवारिक संबंध तथा शैक्षिक परिवेश की उपयोगिता की विशद विवेचना की। उन्होंने माना कि रुक्टा (राष्ट्रीय) शिक्षा, शिक्षक और समाज के सम्यक पोषण द्वारा राष्ट्र की आराधना में संजीदगी से प्रयत्नशील है। कोटा विश्वविद्यालय

में श्रेष्ठ शैक्षिक परिवेश को अपनी प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने सभी के सपनों का वि.वि. बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में कोटा विभाग के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय से लगभग 150 सम्भागी शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रहलाद दुबे ने किया तथा आभार प्रो. पी. के. शर्मा ने व्यक्त किया।

आगामी कार्यक्रम

1. **सदस्यता** - सत्र 2015-16 का सदस्यता अभियान 1 से 15 जुलाई रहेगा। संगठन ने गत वर्ष की भांति 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता संग्रहित करने का निर्णय किया है। सभी सदस्यों से 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता अभियान में सहयोग करने का आग्रह है। **इस सत्र की वार्षिक सदस्यता 15 जुलाई के पश्चात् संगठन द्वारा स्वीकार नहीं की जानी है।**
2. **शिक्षक सम्मान निधि** - हमें ज्ञात ही है कि रुक्टा (राष्ट्रीय) केन्द्रीय स्तर पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व प्राथमिक से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के शिक्षकों का समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाला राष्ट्रीयता एवं भारतीय जीवनधारा के भाव वाला प्रतिनिधि संगठन है। महासंघ द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में अद्वितीय योगदान करने वाले शिक्षाविदों, जिनका चयन एक निष्पक्ष निर्णायक समिति द्वारा किया जायेगा, का सम्मान करने का निर्णय लिया गया है। सम्मान में न्यूनतम एक लाख रुपये की नकद राशि भी दी जायेगी। इस निमित्त एक अक्षय कोष की स्थापना का निर्णय लिया गया है। **सभी सदस्यों से निवेदन है कि इस अक्षय कोष में इकाई सचिव के माध्यम से मात्र 100 रुपये की राशि प्रदान कर सहयोग करें।**
3. **गुरु वंदन कार्यक्रम** - केन्द्र की योजना से प्रतिवर्ष श्री गुरु पूर्णिमा को, जो इस वर्ष 31 जुलाई को है, संगठन द्वारा इकाईश: गुरु वन्दन कार्यक्रम करना तय हुआ है। पिछले वर्ष कई इकाईयों द्वारा गुरु वंदन कार्यक्रम अच्छी प्रकार सम्पन्न हुए थे तथा इस कारण से समाज में सकारात्मक संदेश गया है। महर्षि वेदव्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में वर्तमान भारतीय शिक्षक गुरु परम्परा बनी रहे, इस विचार के अनुसरण में ही सभी सदस्यों से इकाईश: आयोज्य गुरुवंदन कार्यक्रम में सहयोग का आग्रह है।

नवीन अकादमिक सत्र के शुभारंभ पर बहुत-बहुत शुभकामनाओं के साथ।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

उठो, मन की मलिनता हटाओ। सुविधायें नहीं हैं, प्रयोगशालाये नहीं हैं, कह कर बैठने से काम नहीं चलेगा। तुम्हारा मन ही सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। आलस्य त्यागो, जहाँ हो वहीं से कार्य आरम्भ करो। याद रखो; जो लोग वित्तेषणा व लोकेषणा के लिए कार्य नहीं करते असफलतायें उन्हें रोक नहीं पाती।

- 'डॉ. जगदीश चन्द्र बोस'